DAL–03

December – Examination 2021

Diploma in Apabhransha Language Examination

अपभ्रंश व्याकरण एवं रचना

Paper : DAL-03

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) स्वार्थिक प्रत्यय किसे कहते हैं ?

   (ii) हेत्वर्थक प्रत्यय किसे कहते हैं ?

(iii) 'बहुत्वे हुः' सूत्र का अर्थ एवं उदाहरण लिखिए।

(iv) समास किसे कहते हैं ?

(v) अपभ्रंश में स्वर सन्धि का उदाहरण दीजिए।

(vi) अपभ्रंश में तीस शब्द को कैसे लिखा जाएगा ?

(vii) अपभ्रंश भाषा में गुरु शब्द का प्रथमा विभक्ति बहुवचन में क्या रूप बनेगा ?

(viii) लोप विधान सन्धि किसे कहते हैं ?

(ix) रुच् अर्थ धातु के साथ किस विभक्ति का प्रयोग होता है ?

(x) कर्म कारक किसे कहते हैं ?

खण्ड—ब **4×20=80**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. सूत्र विश्लेषण के पाँच सोपानों का उल्लेख करते हुए सन्धि एवं सन्धि-विच्छेद के नियमों का वर्णन कीजिए।

3. कृदन्त किसे कहते हैं ? पाँच प्रकार के कृदन्तों का विवेचन कीजिए।

4. अपभ्रंश में कर्ता कारक विभक्ति पर लेख लिखिए।

5. अपभ्रंश में व्यञ्जन सन्धि को स्पष्ट कीजिए।

6. अपभ्रंश में कारक तथा विभक्ति के सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

7. अपभ्रंश व्याकरणानुसार सर्वनाम के नियमों का वर्णन कीजिए।

8. समोरस्योत् सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

9. गुरु शब्द की सातों विभक्तियों एवं तीनों वचनों में रूप लिखिए।